खबर संक्षेप

सेवा पखवाड़ाः जनसेवा का जनांदोलन

सतना। भाजपा युवा मोर्चा द्वारा आयोजित कार्यशाला में 'सेवा पखवाड़ा' पर चर्चा की गई। यह पखवाड़ा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन (17 सितंबर) से महात्मा गांधी जयंती (2 अक्टूबर) तक मनाया जाएगा।भाजपा जिला अध्यक्ष पंडित भगवती प्रसाद पाण्डेय ने कहा कि भाजपा की विचार धारा राष्ट्रहित और जनसेवा पर आधारित है,और यह पखवाड़ा केवल एक पार्टी का कार्यक्रम नहीं बल्कि जनसेवा का जनांदोलन है। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य नरेंद्र त्रिपाठी ने कार्यकर्ताओं से समर्पण के साथ इसमें भाग लेने का आग्रह किया। जिला संयोजक ऋषभ सिंह ने कहा कि यह पखवाड़ा मोदी के नेतृत्व को समर्पित है और इसका उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाना है। युवा मोर्चा द्वारा रक्तदान शिविर और स्वास्थ्य शिविर जैसे विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। युवा मोर्चा के अध्यक्ष सौभाग्य केसरी ने कहा कि युवा कार्यकर्ता रक्तदान की कार्ययोजना पर काम कर रहे हैं। इस कार्यशाला में कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मैहर जिले के नए पुलिस अधीक्षक बने अवधेश प्रताप सिंह, अग्रवाल का श्योपुर तबादला

मैहर। जिले में पुलिस अधीक्षक के पद पर बड़ा बदलाव हुआ है। अब अवधेश प्रताप सिंह को मैहर का नया पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। वह इससे पहले बालाघाट में 36वीं वाहिनी विसबल के सेनानी के पद पर कार्यरत थे। वहीं,मैहर के पहले पुलिस अधीक्षक सुधीर अग्रवाल का तबादला श्योपुर कर दिया गया है। मैहर जिले के गठन के बाद सुधीर अग्रवाल ने पहले एसपी के रूप में कार्यभार संभाला था। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कानून-व्यवस्था को मजबूत करने और पुलिसिंग को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी सख्त,लेकिन संवेदनशील कार्यशैली के लिए लोग उन्हें हमेशा याद रखेंगे। उन्होंने अपराधों पर अंकुश लगाने के साथ-साथ जनता के बीच विश्वास भी कायम किया। नशा मुक्ति अभियान,यातायात सुधार और महिला सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में उनके काम की काफी सराहना हुई। हालाँकि,तबादला एक सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया है,लेकिन मैहर की जनता और पुलिस महकमे के लिए यह एक भावुक कर देने वाला क्षण है।

48 हजार रूपये की अवैध शराब जब्त

कटनी। कलेक्टर दिलीप कुमार यादव के निर्देश पर आबकारी विभाग ने आबकारी वृत्त क्रमांक 03 अंतर्गत ग्राम बिचपुरा, टेढ़ी, मानपुर एवं ढरका टैंक में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और परिवहन के विरूद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुये भारी मात्रा में अवैध महुआ लाहन और हाथ भट्टी मदिरा जब्त की है। टीम ने दबिश के दौरान प्लास्टिक के गुम्मों में छिपाया गया 435 किलोग्राम महुआ लाहन और 30 लीटर हाथ भट्टी मदिरा जब्त की। जब्त की गई सामग्री की कुल अनुमानित कीमत लगभग 48 हजार रुपये आंकी गई है। टीम द्वारा मौके पर ही महुआ लाहन को नष्ट कर दिया गया। इस मामले में, आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)क और च के तहत कुल 6 प्रकरण दर्ज किए गए हैं।

जिले में 72.14 फीसदी नागरिकों की समग्र ई-के.वाई.सी का कार्य पूर्ण

कटनी। शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही को मिल सके इस हेतु कलेक्टर दिलीप कुमार यादव के निर्देशन एवं निगमायुक्त नीलेश दुबे के मार्गदर्शन में नगर में अभियान चलाकर पोर्टल में समग्र आई.डी से आधार नंबर की ई-के.वाय.सी. का कार्य किया जा रहा है। निगमायुक्त नीलेश दुबे द्वारा ई-के.वाई.सी कार्य की सतत समीक्षा की जाकर संलग्न गठित दल के अधिकारी एवं कर्मचारियों को ई- के.वाय.सी. कार्य में गति लाने के निर्देश दिए जा रहे है। निगमायुक्त नीलेश दुबे के निर्देशन में जिले में अब तक 72.14 फीसदी नागरिकों यानि 1 लाख 57 हजार 584 नागरिकों का समग्र आईडी से आधार से ई-केवाईसी कार्य किया जा चुका है। वहीं निगमायुक्त के निर्देश पर अभियान के तहत सर्वे दल के वार्ड दरोगा एवं वसूलीकर्ताओं द्वारा डोर टू डोर पहुंचकर नागरिकों की समग्र आई.डी का आधार से लिंक होने की जांच की जाकर शेष बचे नागरिकों की समग्र आईडी बनाई जा रही है।

रीवा रोड और सिमरिया चौक पर ट्रैफिक की अराजकता जान जोखिम में डालकर सफर करते हैं लोग

सतना। शहर में रीवा रोड बस स्टैंड और सिमरिया चौक के पास यातायात व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। ये दोनों ही क्षेत्र शहर के सबसे व्यस्त इलाकों में गिने जाते हैं,जहां हर दिन हजारों लोग आते-जाते हैं। लेकिन यहां व्याप्त अराजकता ने न केवल यात्रियों को,बल्कि स्थानीय निवासियों और राहगीरों को भी भारी परेशानी में डाल दिया है। सड़कों पर वाहनों की बेतरतीब पार्किंग और बीच रास्ते में सवारियां भरते ऑटो-बस चालकों की मनमानी के कारण यहां हर समय जाम की स्थिति बनी रहती है।

ऑटो-बसों की मनमानी से चरमराती व्यवस्था

रीवा रोड बस स्टैंड और सिमरिया चौक पर ऑटो और बस चालकों की दादागिरी चरम पर है। यात्री सुविधा के लिए बने स्टैंड को छोड़कर ये चालक अपनी गाड़ियां सड़क के बीचों-बीच खड़ी कर देते हैं। इससे न सिर्फ यातायात बाधित होता है,बल्कि दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ जाता है। इन चालकों को न तो ट्रैफिक नियमों की परवाह है और न ही राहगीरों की सुरक्षा की। वे सवारी भरने के चक्कर में अक्सर एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ में लगे रहते हैं,जिससे कई बार छोटी-मोटी दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं।

आम जनता की बढ़ी मुश्किलें

इस अव्यवस्थित यातायात का सबसे ज्यादा खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। स्कूल और कॉलेज जाने वाले छात्रों,दफ्तर जाने वाले कर्मचारियों और बाजार आने वाले लोगों को रोज इस जाम से जूझना पड़ता है। पैदल चलने वालों के लिए तो स्थिति और भी खराब है। सड़कों पर खड़ी गाड़ियों के कारण उन्हें फुटपाथ का उपयोग करने का मौका नहीं मिलता और वे मजबूरन सड़क पर चलने को मजबूर होते हैं,जिससे हमेशा दुर्घटना का डर बना रहता है।

ट्रैफिक पुलिस की 'लापता' मौजूदगी

चौंकाने वाली बात यह है कि यातायात की इस गंभीर समस्या पर ट्रैफिक पुलिस की मौजूदगी न के बराबर है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पुलिस की अनदेखी और लापरवाही के कारण ही ऑटो-बस चालकों के हौसले बुलंद हैं। अगर यहां नियमित रूप से पुलिसकर्मी तैनात रहें और नियम तोड़ने वालों पर सख्ती से कार्रवाई करें,तो हालात में काफी सुधार हो सकता है। लोगों ने कई बार इस बारे में प्रशासन और पुलिस अधिकारियों से शिकायत की है,लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

प्रशासन से तुरंत हस्तक्षेप की मांग

इस समस्या से परेशान लोगों ने अब प्रशासन से तुरंत हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि अगर जल्द ही कोई समाधान नहीं निकाला गया तो यह अराजकता और बढ़ेगी,जिससे किसी भी समय कोई बड़ा हादसा हो सकता है। यह समय की मांग है कि पुलिस और प्रशासन मिलकर इस समस्या का स्थायी समाधान निकालें और शहर की यातायात व्यवस्था को पटरी पर लाएं,ताकि लोग सुरक्षित और सुगम यात्रा कर सकें।

राशन दुकान संचालक की मनमानी के खिलाफ ग्रामीणों ने की कलेक्टर से शिकायत

सतना। राशन दुकान के संचालक की मनमानी से तंग आकर सतना जिले की उचेहरा तहसील के बांधी मौहार और बंधवा टोला के लगभग दो दर्जन ग्रामीण मंगलवार को सतना कलेक्ट्रेट पहुंचे। उन्होंने जनसुनवाई में अपनी शिकायत दर्ज कराई। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि राशन दुकान संचालक दो महीने में केवल एक महीने का ही राशन देता है,जबकि उसने दो बार फिंगरप्रिंट लेकर दो महीने का अनाज निकाल लिया है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि केवाईसी अपडेट करने के नाम पर उनसे 30 से 50 रुपये तक लिए गए हैं। शिकायत करने आए ग्रामीण हीरालाल कोल ने आरोप लगाया कि जब उन्होंने पैसे देने से मना किया,तो उनका राशन बंद कर दिया गया। उन्होंने यह भी कहा कि जब वे कलेक्ट्रेट में शिकायत कर रहे थे,तो राशन दुकान संचालक का फोन आया और उसने उन्हें धमकी दी। ग्रामीणों की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए,कलेक्टर ने मौके पर ही जिला खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी को मामले की जांच करने और तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया। अधिकारियों ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया है कि उनकी समस्या का जल्द से जल्द समाधान किया जाएगा। इस मामले में आगे की कार्रवाई होने की उम्मीद है ताकि जरूरतमंदों को उनका पूरा हक मिल सके। यह घटना ग्रामीण क्षेत्रों में राशन वितरण प्रणाली में व्याप्त अनियमितताओं को उजागर करती है।

'सुरक्षित मातृत्व अभियान' में घोटालाः गर्भवती महिलाओं को दिए जा रहे 50 के बजाय 20 के पोषण किट

सतना। जिले में चल रहे 'सुरक्षित मातृत्व अभियान' में एक गंभीर भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है।गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य और पोषण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुरू की गई इस योजना में भारी गड़बड़ी पाई गई है। महिलाओं को 50 की निर्धारित राशि के बजाय,केवल 20 मूल्य का पोषण किट थमाया जा रहा है,जिससे उनके स्वास्थ्य के साथ सीधा खिलवाड़ हो रहा है।

यह मामला तब सामने आया जब रामनगर अस्पताल में वितरित किए गए पोषण किट की जांच की गई। किट में 5 का एक पैकेट मूंग दाल,एक बिस्कुट का पैकेट,एक भुजिया नमकीन का पैकेट,एक पानी का पाउच और दो केले दिए गए थे। इन सभी सामानों की कुल कीमत 20 के आसपास ही है,जबकि सरकार ने इसके लिए 50 का बजट तय किया है। यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले,25 अगस्त को मैहर में भी इसी तरह की शिकायत सामने आई थी,जहाँ महिलाओं को 50 के बजट में सिर्फ 15 का सामान दिया गया था। आश्चर्य की बात यह है कि इस मामले में अब तक किसी भी अधिकारी ने कोई कार्रवाई नहीं की,जिससे भ्रष्टाचार को और बढ़ावा मिला है। इस पूरे मामले में विभागीय जिम्मेदार,कथित तौर पर पंकज नाम के व्यक्ति की राजनीति के आगे नतमस्तक नजर आ रहे हैं। इस गंभीर शिकायत को संज्ञान में लिया गया है। संबंधित विभाग के एक अधिकारी ने बताया,जिस एजेंसी द्वारा यह गड़बड़ी की जा रही है,इस महीने से उसके कार्य आदेश को तुरंत निरस्त कर दिया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि अब से यह कार्य खंड चिकित्सा अधिकारी स्वयं अपने स्तर से करेंगे और स्थानीय एजेंसियों से अच्छी गुणवत्ता की सामग्री की आपूर्ति सुनिश्चित करेंगे। इसके अलावा,जो भी गड़बड़ियां की गई हैं,उनके लंबित बिलों पर आर्थिक दंड लगाकर वसूली की जाएगी। यह भ्रष्टाचार न केवल सरकारी योजना की विफलता को दर्शाता है,बल्कि सीधे तौर पर गर्भवती महिलाओं के 'सुरक्षित मातृत्व के अधिकार' पर भी चोट है।अधिकारियों की इस पर चुप्पी कई गंभीर सवाल खड़े कर रही है और यह उजागर करती है कि कैसे गरीबों के लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं को भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ाया जा रहा है।

पुलिस ने अलग अलग कंपनियों की कई फर्जी सिम कार्ड सहित डेबिट कार्ड एवं चेक बुक किया जब्त

फर्जी सिमों से लाखों की गड़बड़ी, दो और गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

फर्जी सिम एक्टीवेट कर बेचने वाले गिरोह के दो और सदस्यों को बहोरीबंद पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गौरतलब है कि पुलिस मुख्यालय भोपाल व्दारा संदिग्ध (POS) सिम विक्रयकर्ता एजेन्टो, धारको के विरुद्ध आपरेशन फास्ट के तहत कानूनी कार्यवाही किये जाने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक अभिनव विश्वकर्मा के निर्देशन में बहोरीबंद पुलिस ने विगत दिनों आधारकार्ड, फोटो एंव अगूठे का प्रिन्ट लेकर फर्जी सिम एक्टीवेट करने वालो के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया था। गत 04 सितंबर को मूरत सिह नि.झरौली कि रिपोर्ट पर आरोपी जितेन्द्र बर्मन निवासी पाकर के विरुद्ध धारा 318(4) BNS एवं धारा 66 C I.T ACT का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

प्रकरण की विवेचना के दौरान टेली कम्यूनिकेशन एक्ट 2023 की धारा 42(3) (E) और आधार एक्ट 2016 की धारा 47, 48 का गठन होना पाये जाने से धाराओ का ईजाफा किया गया। जांच में फर्जी सिम एक्टिवेट कर लाखों रुपए की गड़बड़ी करने के नेटवर्क का भंडाफोड़ हुआ है। इस मामले में बहोरीबंद पुलिस ने दो अन्य आरोपियों को सोमवार को गिरफ्तार किया है।एसपी अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. संतोष डेहरिया व एसडीओपी स्लीमनाबाद के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बहोरीबंद निरीक्षक अखलेश दाहिया व्दारा टीम गठित कर प्रकरण के आरोपी (pos) सिम विक्रयकर्ता एजेन्ट जितेन्द्र बर्मन की गिरफ्तारी की गयी। पकड़ा गया सिम विक्रयकर्ता एजेन्ट, एयरटेल पेमेंट बैंक के खाते खोलना, एयरटेल से जियो और जियो से एयरटेल में सिमो को पोर्ट करने का काम करता था। इसी दौरान मूरत सिंह ग्राम झरौली के खाता खुलवाने आने पर एवं आनंद कुमार चौधरी के मोबाईल नंबर को एयरटेल से जियो में पोर्ट कराने आने पर उनका आधार कार्ड नम्बर व फोटो लेकर एयरटेल कंपनी की सिम को धोधाधडी बेईमानी पूर्वक फर्जी सिम एक्टीवेट कर ग्राम अमाडी के अब्राहिम खान, सलमान खान, मुस्तकीम खान और मसंधा के संदीप लोधी (पटैल) से 500, 500 रुपये लेकर बेच दी थी। जिन फर्जी सिम नम्बरो से लाखो रुपये का सायबर फ्राड किया गया है।

आरोपितों से ये सामग्री जब्त

आरोपी जितेन्द्र बर्मन का साथी सिम विक्रयकर्ता आदर्श चौधरी नि. पटीराजा (एयरटेल – FSC) भी आरोपी के साथ मिलकर लोगो के आधार और फोटो से फर्जी सिमे एक्टीवेट कर अब्राहिम, सलमान मुस्तकीम, संदीप लोधी को बेची है। प्रकरण मे अब्राहिम, सलमान, मुस्तकिन, संदीप लोधी, आदर्श चौधरी की संलिप्तता पाये जाने पर आरोपीगणो की तलाश करते हुए मुस्तकीन खान और आदर्श चौधरी (pos) सिम विक्रयकर्ता को गिरफ्तार किया गया। आरोपी आदर्श चौधरी के व्दारा फर्जी सिम एक्टीवेट करने मे उपयोग किया गया। एन्ड्राईड मोबाईल जिसमे एयरटेल कंपनी की सिम (pos) तथा जियो कंपनी की (pos) लगी हुई एवं मोबाईल के कवर के अंदर छुपाकर रखी हुई वोडाफोन आईडिया कंपनी की 03 फर्जी सिम कार्ड तथा आरोपी मुस्तकिन खान के पास से फर्जी सिमे दो जियो कंपनी, दो एयरटेल कंपनी, एक vi कंपनी एवं तीन डेविट कार्ड कनार्टका बैक, डी सी बी बैक, एस बी आई बैक तथा एक डीसीबी बैक की चैक बुक विजय, अनिल भुमिया के नाम की जप्ती की गयी।

इनको किया गया गिरफ्तार

आरोपी आदर्श चौधरी पिता उजयार चौधरी 23 वर्ष निवासी ग्राम पटीराजा थाना बाकल एवं मुस्तकिन खान पिता जुम्मन खान 24 वर्ष निवासी ग्राम अमाडी थाना बाकल जिला कटनी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

मैहर में पानी से भरे खदान में मिला युवक का शव, मिर्गी के दौरे की आशंका

मैहर। जिले के नादन देहात थाना क्षेत्र के ग्राम खरौंदी में पानी से भरी एक खुली खदान में 33 वर्षीय युवक मिथुन कोल का शव मिलने से सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों ने शव को पानी से बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। नादन देहात थाना प्रभारी के.एन.बंजारे ने बताया कि मिथुन मजदूरी का काम करता था और सोमवार शाम मजदूरी करके घर लौट रहा था। रास्ते में खदान के पास वह शौच के लिए रुका,जबकि उसके साथी आगे निकल गए। जब वह देर रात तक घर नहीं पहुंचा तो परिवार वालों ने उसकी तलाश शुरू की। खदान के पास उसके कपड़े मिले,जिसके बाद स्थानीय गोताखोरों की मदद से पानी में तलाश की गई। थोड़ी देर बाद उसका शव बरामद हो गया। लोगों ने पुलिस को बताया कि मृतक मिथुन को मिर्गी की बीमारी थी। ऐसी आशंका जताई जा रही है कि उसे खदान के पास मिर्गी का दौरा पड़ा होगा,जिससे वह पानी में गिर गया और उसकी मौत हो गई। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मैहर सिविल अस्पताल भेजा,जिसके बाद उसे परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। सामाजिक कार्यकर्ता रामानंद पटेल ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचाने में मदद की।

खबर संक्षेप

कामताना ग्राम से मोटर साइकल चोरी मामला दर्ज

अमानगंज। थाना क्षेत्र के ग्राम कामताना में छह सितंबर कि दरमियानी रात्रि एक मोटर बाइक चोरी होने का मामला प्रकाश में आया है घटना के विषय में ज्ञात हुआ है निवासी बाबादिन लोधी पिता जोहारिया लोधी उम्र 55 वर्ष निवासी ग्राम कामताना ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि मेरी मोटर साइकिल हीरो होंडा स्प्लेंडर घर के बाजू से रखी थी जिसका नंबर एमपी 35 एम एच 0654 जिसको अज्ञात चोर 6 सितंबर की रात्रि में चुरा कर ले गया है सुबह घर के सदस्य जागे तब बारी में खड़ी मोटर साइकिल नहीं दिखी आसपास तलाश की तो कोई जानकारी नहीं लगे फरियादी की रिपोर्ट पर थाना अमानगंज मे अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

जुआ फड़ पर पुलिस ने मारा छापा तीन जुआरी गिरफ्तार

अमानगंज। ग्राम गहदरा में मुखबिर की सूचना मिलने पर अमानगंज पुलिस ने हार जीत का दाव लगाते हुए तीन जुआरी को गिरफ्तार किया है आरोपियों के पास से 2800 रुपए की नगदी एवं 52 ताश के पत्ते जप्त किए गए हैं पुलिस को मुखबिर तंत्र के द्वारा सूचना मिल थी कि ग्रामगहदरा में जुआ का खेल चल रहा है जिस पर पुलिस ने कार्यवाही करते हुए श्यामलाल आदिवासी पिता गोरी आदिवासी पुरन आदिवासी पिता भोला आदिवासी अवध आदिवासी पिता किशोरी आदिवासी को पांडे की दुकान के पीछे से गिरफ्तार किया गया।

तेज रफ्तार बोलेरो कार ने ऑटो को मारी टक्कर, ऑटो चलक गंभीर

अमानगंज। पन्ना जिले के अमानगंज पुलिस थाना क्षेत्र अंतर्गत बीती रात एक तेज रफ्तार बोलेरो कर ने ऑटो चालक को टक्कर मार दी जिससे ऑटो चालक गंभीर रूप से घायल हो गया और खुद बोलेरो चालक भी इस घटना में घायल हो गया। मौके पर उपस्थित लोगों ने घायलों को शीघ्र ही जिला अस्पताल इलाज हेतु दाखिल कराया जिसमें ऑटो चालक अमरजीत पिता शौकीलाल कुशवाहा उम्र 32 वर्ष निवासी शंकरपुरा अपने निजी काम निपटाकर तारा से अपने घर लौट रहा था कि तभी अमानगंज की तरफ से आ रही सफेद रंग की बुलेरो कार ने जोरदार टक्टर मार दी। और तुरंत मौके से भाग गया।

पगरा निवासी महिला की सर्पदंश से मौत

अमानगंज। पगरा ग्राम पगरा में सोमवार कि रात एक दुखद घटना घटित हुई। जानकारी के अनुसार रीता (24) पत्नी शर्मन वंशकार को रात में घर पर सर्प ने काट लिया। घटना के बाद परिजन घबराए हुए थे और इलाज की व्यवस्था में लगे रहे जिसे ले कर समुदायक स्वास्थ्य केंद्र अमानगंज में लाए उसके बाद उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया किंतु स्थिति बिगड़ती चली गई। अंततः रीता ने मंगलवार सुबह करीब 4 बजकर 40 मिनट पर दम तोड़ दिया। अचानक हुई इस घटना से परिवार और गांव में मातम का माहौल है। ग्रामीणों ने बताया कि रीता की उम्र महज 24 वर्ष थी और परिवार के लिए यह गहरी क्षति है। घटना के बाद ग्रामीणों ने सर्पदंश जैसी आपदाओं से बचाव और त्वरित उपचार व्यवस्था की आवश्यकता पर चिंता जताई है।

पवई नगर में भारी बारिश से तबाही, राधा कृष्ण मंदिर की गुम्मट टूटी, विद्युत व्यवस्था भी क्षतिग्रस्त

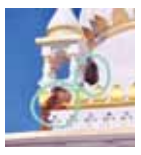

पन्ना। सोमवार को दोपहर लगभग तीन बजे तेज गर्जना के साथ हुई मूसलाधार बारिश ने नगरवासियों की मुश्किलें बढ़ा दी। प्राचीन सिद्ध स्थल हनुमान भाटा में स्थित राधा कृष्ण मंदिर की गुम्मट अचानक गिर गई, साथ ही उसके पास स्थित एक छोटा मंदिर भी क्रैक हो गया। पेड़ पर बिजली गिरने से क्षेत्र में गाज गिरने की घटना हुई, लेकिन सौभाग्य से इस दौरान वहां कोई जन या पशु हानि नहीं हुई बताया गया है कि घटना के समय मंदिर में कोई उपस्थित नहीं था। वहीं, नगर में बारिश के चलते सड़कों पर जलभराव हो गया। मानस कालोनी में रामगोपाल पाण्डेय वाली गली में पानी का स्तर कमर तक पहुँच गया। अनेक घरों में पानी घुसने से लोगों का जीना मुहाल हो गया। नगर परिषद द्वारा निर्माण कराए गए द्वारासीसी निर्माण के बावजूद नाली निर्माण नहीं होने से समस्या बढ़ती जा रही है। पार्षद महोदय से बार-बार अनुरोध के बावजूद आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। अम्बेडकर पार्क के पास तहसील मार्ग पर अशोक सक्सेना एवं रैकवार राजू के निवास में भी पानी घुस गया। झंडा बाजार से खटीक मोहल्ला मार्ग घंटों तक जलमग्न रहा, जिससे लोगों को अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ा।

मतदाता सूची में गड़बड़ी का मुद्दा गरमाया कांग्रेस ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

एक ही मकान पर दर्ज दर्जनों मतदाता, मृतकों के नाम सूची में बने रहने और फर्जी वोटर्स को लेकर जताई आपत्ति

देश में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मतदाता सूची को उजागर करने की कमान संभाली है। इसी क्रम में पन्ना जिले में भी वोटर लिस्ट में गड़बड़ी के आरोप लगाए गए। आगामी चुनावों की तैयारियों के बीच मतदाता सूची में सामने आई गड़बड़ियों ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है।

पन्ना।

जिला कांग्रेस कमेटी पन्ना ने इस मामले को गंभीर बताते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट पहुंचे, जहां पुलिस ने गेट पर ही उन्हें रोक लिया, जिसके बाद खासी झूमाझपटी हुई और कांग्रेसजन परिसर में प्रवेश कर सके। इस दौरान सैंकडों कार्यकर्ता बाहर ही रह गए। ज्ञापन में मतदाता सूची में व्यापक पैमाने पर हो रही विसंगतियों को चिन्हित कर तत्काल शुद्धिकरण की मांग की गई। ज्ञापन सौंपने पहुंचे जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अनीश खान ने कहा कि नगर पालिका चुनाव में जारी हुई मतदाता सूची पूरी तरह त्रुटिपूर्ण है। इस सूची ने मतदाताओं के बीच भ्रम की स्थिति पैदा कर दी है और यदि इसे समय रहते ठीक नहीं किया गया, तो आगामी चुनाव की निष्पक्षता प्रभावित होगी। कांग्रेस ने ज्ञापन में 8 प्रमुख बिंदुओं के माध्यम से गड़बड़ियों की ओर ध्यान आकर्षित किया। जिसमें बताया गया कि एक ही मकान पर 10 से अधिक मतदाताओं के नाम दर्ज पाए गए हैं, जो व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है। मृत व्यक्तियों के नाम अब भी मतदाता सूची में शामिल हैं, जिन्हें हटाया नहीं गया। ऐसे मतदाताओं के नाम सूची में हैं, जिन्होंने दूसरी विधानसभा क्षेत्रों में नाम स्थानांतरित करा लिया है। कई मतदाताओं का नाम एक से अधिक जगह दर्ज है, जिससे फर्जी वोटिंग की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे नाम भी सूची में बने हुए हैं, जिनका सत्यापन अब तक आधार के माध्यम से नहीं हो सका है। कांग्रेस ने इस स्थिति को चुनावी पारदर्शिता के लिए खतरा बताते हुए कहा कि यदि समय रहते सुधार नहीं किए गए, तो विपक्ष इसे "वोट चोरी की साजिश" मानने पर मजबूर होगा। प्रर्दशन के दौरान पूर्व मंत्री राजा पटैरिया, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी कविता सिंह, पन्ना प्रभारी भूपेन्द्र राहुल, पूर्व विधायक श्रीकांत दुबे, शिवजीत सिंह भईयाराजा, भास्कर देव बुंदेला, राघवेन्द्र प्रताप सिंह मुन्नाराजा, रामकिशोर मिश्रा, राजेश तिवारी, मुरारीलाल थापक, जीवनलाल सिद्धार्थ, पूर्व विधायक महेन्द्र बागरी, गिरधारी लोधी, आनंद शुक्ला, राकेश गर्ग, मार्तण्डदेव बुंदेला, स्वतंत्र प्रभाकर अवस्थी, बबलू गौतम, सालिगराम गौतम, माखन पटेल, भभूत सिंह, दादूराम मिश्रा, अजय श्रीवास्तव, भानू प्रताप सिंह, सौरभ दुबे, नन्नाई लोधी, संतोष मिश्रा संतु, शंकर दुबे, राजबहादुर पटेल, राम बहादुर द्विवेदी, कदीर खान, जीतेन्द्र जाटव, वैभव थापक, अब्दुल नसीम हक, हसीब खान रिंकू, हिम्मत बागरी, वसुंदरा राजे, जीरा बाई पटेल, शिवप्रकाश दीक्षित, केसरी अहिरवार, सनी बुंदेला, चौन सिंह राठौर, वासुदेव बुंदेला, धीरेन्द्र सिंह, जगदेव सिंह, जगदीश यादव, सौरभ पटैरिया, अक्षय जैन, रियासत खान, राजा बाबू पटेल, शशिकांत दीक्षित, अमित शर्मा, सत्यजीत सिंह, रवि यादव, श्रवण तिवारी, विक्रम सिंह, राजाजी बुंदेला, लखन लोधी, गुमान सिंह यादव, अजय पाल लोधी, रामदास जाटव, सत्यम उपाध्याय, चन्द्रप्रकाश पाठक, उमाशंकर तिवारी, जनविजय अरजरिया, संदीप दुबे सहित जिले भर से कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राहुल गांधी की राह पर पन्ना कांग्रेस

ज्ञापन में कांग्रेस ने राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी की चिंता को भी जोड़ा। इसमें उल्लेख किया गया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी मतदाता सूचियों में हो रही गड़बड़ियों और वोट चोरी का मुद्दा संसद से लेकर सड़कों तक उठाया है। उन्होंने जोर देकर कहा है कि यदि मतदाता सूची ही संदिग्ध होगी तो चुनाव की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष अनीश खान ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश पर पूरे प्रदेश में यह अभियान चलाया जा रहा है। हम सभी जिलों में मतदाता सूची की समीक्षा कर रहे हैं और जहाँ भी अनियमितताएँ सामने आ रही हैं, वहाँ चुनाव आयोग से सुधार की मांग की जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि पन्ना में भी स्थिति चिंताजनक है। यहाँ न केवल मृत व्यक्तियों के नाम सूची में बने हुए हैं, बल्कि एक ही नाम अलग-अलग स्थानों पर दर्ज हैं। यह साफ तौर पर वोटों में गड़बड़ी करने का प्रयास है।

फर्जी वोटर लिस्ट भी सौंपी

ज्ञापन के साथ जिला कांग्रेस कमेटी ने फर्जी वोटर लिस्ट की छायाप्रति भी सौंपी और निर्वाचन अधिकारी से मांग की कि इस पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई की जाए। शहर के वार्ड क्रमांक 6 की वोटर लिस्ट को सौंप कर बताया गया कि इसमें भाजपा नेता के मकान नम्बर पर ही दर्जन भर मुस्लिम मतदाताओं को जोड़ा गया है, एक ही घर में अलग-अलग धर्मों के लोगों का होना फर्जीवाड़े को प्रर्दशित करता है। ज्ञापन सौंपने के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि यदि समय रहते सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो वे आंदोलन करने पर भी मजबूर होंगे।

कलेक्टर ने ग्राम इटवाखास स्थित भूमि को शासकीय दर्ज करने के संबंध में जारी किया कारण बताओ नोटिस

पक्ष प्रस्तुत करने के लिए 29 सितम्बर को कलेक्टर न्यायालय में उपस्थित होने के निर्देश

पन्ना।

कलेक्टर न्यायालय द्वारा अपर कलेक्टर पन्ना के प्रतिवेदन पर पन्ना तहसील के ग्राम इटवाखास की विभिन्न रकवे की भूमि को म.प्र. भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 115 के तहत म.प्र. शासन दर्ज करने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। प्रतिवेदन के अवलोकन से प्रथम दृष्टया बगैर किसी सक्षम अधिकारी के आदेश के भू-अभिलेख में फर्जी प्रविष्टि होना पाया गया है। इस संबंध में कलेक्टर सुरेश कुमार द्वारा ग्राम इटवाखास निवासी 6 व्यक्तियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर पक्ष प्रस्तुत करने के लिए आगामी 29 सितम्बर को सुबह 11 बजे कलेक्टर न्यायालय में समक्ष में उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं, अनुपस्थिति पर मामले की सुनवाई और निपटारा की कार्यवाही की जाएगी। इटवाखास की प्रश्नाधीन सर्वे नंबर 591/8 रकवा 4.856 हे. भूमि के संबंध में भगोना तनय प्रभू काछी, सर्वे नंबर 591/19 रकवा 4.856 हे. भूमि के संबंध में देवकुमारी पत्नी पारसनाथ पाण्डे, 591/37 रकवा 4.856 हे. भूमि के संबंध में पारसनाथ पाण्डे पिता रामकृष्ण पाण्डे, 591/38 रकवा 4.047 हे. भूमि के संबंध में शालिगराम पिता गनपतराम सेन, 591/44 रकवा 4.856 हे. भूमि के संबंध में बूटी बाई पत्नी हरिभान सिंह ठाकुर तथा 591/53 रकवा 4.856 हे. भूमि के संबंध में मीना देवी पति महेश प्रसाद को नोटिस जारी किया गया है। उल्लेखनीय है कि ग्राम इटवाखास की मिसल बंदोबस्त वर्ष 1955-56 में सर्वे नंबर 591 रकवा 535.36 एकड़ म.प्र. सरकार वर्ग 9/5 दर्ज रही है। खसरा वर्ष 1961-62 से 1962-63 एवं खसरा पांचशाला वर्ष 1963-64 से 1967-68 में भी उक्त भूमि म.प्र. शासन दर्ज रही, लेकिन आगामी वर्षों में क्रमशः सर्वे नंबर 591 के विभिन्न रकवा पर खातेदारों का नाम सक्षम आदेश के बगैर सीधे भूमि स्वामी स्वत्व पर दर्ज किया गया है। खसरा में भूमि बंटन या भू-स्वामी स्वत्व प्राप्त होने संबंधी कोई टीप दर्ज नहीं है। इसके अलावा वर्ष 2024-25 के खसरा में आराजी नंबर 591 के 63 बटांक दर्ज हैं और कुल रकवा 254.547 हे. है। यह तत्समय मिसल वर्ष के रकवा से 37.897 हे. अधिक है। उक्त भूमि के विक्रय पत्र स्लॉट 3.12.2024 के संलग्न आधार कार्ड अनुसार संबंधितजनों की जन्मतिथि तथा खसरा में दर्ज नाम के वर्ष की अवधि में भिन्नता भी पाई गई है। इसके अतिरिक्त ग्रामवासियों द्वारा दी गई जानकारी अनुसार विक्रेता ग्राम इटवाखास के निवासी नहीं है एवं न ही ग्रामवासी विक्रेता को पहचानते हैं। विक्रेता का विक्रित भूमि पर कभी कब्जा भी नहीं रहा है।

क्षमावाणी पर्व आत्मशुद्धि क्षमा और अहिंसा का आध्यात्मिक उत्सव

पर्युषण 2025 देवेंद्र नगर दिगंबर जैन समाज द्वारा दस धर्मों की आराधना के साथ दशलक्षण महापर्व का समापन

देवेंद्रनगर।

जैन धर्म के अनुयायियों द्वारा मनाया जाने वाला क्षमावाणी पर्व आत्म-शुद्धि क्षमा और अहिंसा के सिद्धांतों को सुदृढ़ करने वाला एक महत्वपूर्ण वार्षिक आयोजन है यह पर्व दिगंबर जैन समुदाय के पर्युषण पर्व के अंतिम दिन मनाया जाता है जिसे उत्तम क्षमा के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन जैन अनुयायी सभी जीवों से चाहे वे मानव हों या अन्य प्राणी जानेअनजाने में हुई भूलों के लिए क्षमा याचना करते हैं और दूसरों को भी क्षमा करते हैं यह पर्व आध्यात्मिक शुद्धि और मानसिक शांति का एक अनूठा अवसर प्रदान करता हैक्षमावाणी पर्व के उद्देश्य और महत्वआत्मचिंतन और आत्मशुद्धि यह पर्व व्यक्ति को अपने भीतर झांकने अहंकार द्वेष और क्रोध जैसे विकारों को पहचानने और उनसे मुक्ति पाने का अवसर देता हैकर्मों से मुक्ति जैन दर्शन के अनुसार जब तक मन में द्वेष या बैर का भाव रहता है तब तक कर्मों का बंधन बना रहता है क्षमा मांगने और देने से यह बंधन शिथिल होता है और आत्मा हल्की होती है मेल-मिलाप और भाईचारा यह पर्व समाज में सौहार्द सामंजस्य और भाईचारे को बढ़ावा देता है लोग आपसी मतभेदों को भुलाकर गले मिलते हैं और उत्तम क्षमा का संदेश देते हैं। उपवास और पूजा पर्युषण के अंतिम दिन कई अनुयायी उपवास रखते हैं और भगवान महावीर की पूजा कर उनसे भी क्षमा याचना करते हैं क्षमा मनी के अंतिम दिन डॉक्टर अभिषेक जैन द्वारा पूरे समाज को स्वल्पाहार कराया गया ताकि सभी लोग एक दूसरे से मेल मिलाप हो जाए और क्षमा वाणी भी हो जाए धार्मिक दृष्टिकोण से क्षमा का महत्व जैन धर्म में क्षमा को एक महान आध्यात्मिक गुण माना गया है भगवान महावीर ने कहा था क्षमा वीरस्य भूषणम्-अर्थात क्षमा वीरों का आभूषण है यह कथन दर्शाता है कि क्षमा कमजोरी नहीं बल्कि आध्यात्मिक वीरता का प्रतीक है क्षमा से व्यक्ति अहंकारमुक्त होता है और जीवन में सरलता तथा नम्रता आती है आध्यात्मिक उन्नति की ओर एक कदम क्षमावाणी पर्व के माध्यम से जैन समुदाय आध्यात्मिक उन्नति की दिशा में अग्रसर होता है यह पर्व हमें यह स्मरण कराता है कि जीवन में कभी भी किसी के प्रति द्वेष नहीं रखना चाहिए। यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि मानवता के उच्चतम मूल्यों का उत्सव है।

अमानक स्तर के खाद बीज बेचने वालों के विरुद्ध करें सख्त कार्यवाही- कमिश्नर

सागर संभाग में खाद बीज गुण नियंत्रण के लिए कार्यवाही नहीं होने पर कमिश्नर ने व्यक्त की कड़ी नाराजगी

निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध अपेक्षित कार्यवाही नहीं होने के कारण सागर संभाग के सभी कृषि विभाग के उप संचालकों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश संयुक्त संचालक कृषि को दिए। कमिश्नर श्री सुचारी ने आज कृषि विभाग की संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक ली। इस अवसर पर कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि पराली जलाने से होने वाले हानियों के प्रति किसानों को जागरुक करें तथा पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए सतत प्रयास करें। कमिश्नर ने कहा कि सागर संभाग में आधुनिक कृषि यंत्रों हैप्पी सीडर, सुपर सीडर के संबंध में किसानों को जानकारी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हैप्पी सीडर और सुपर सीडर जैसे कृषि यंत्रों का किसानों के बीच में प्रदर्शन कराएं और उनका उपयोग करने के लिए किसानों को प्रोत्साहित भी करें। बैठक में कमिश्नर ने स्वाईल हेल्थ कार्ड योजना की जिलेवार समीक्षा करते हुए कहा कि स्वाईल हेल्थ कार्ड योजना का शत प्रतिशत लक्ष्य सभी जिलों में पूर्ण कराएं। बैठक में कमिश्नर द्वारा सागर संभाग की मंडी समितियों की स्थिति की भी समीक्षा की गई। इसके अतिरिक्त कमिश्नर द्वारा एमपी एग्रो के कार्यों की भी समीक्षा की गई।

सभी उप संचालक कृषि को नोटिस देने के दिए निर्देश

पन्ना।

कमिश्नर सागर संभाग अनिल सुचारी ने सागर संभाग में अमानक स्तर के बीज खाद एवं कीटनाशक बेचने वालों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करने के निर्देश सागर संभाग के सभी कृषि विभाग के उप संचालकों को दिए हैं। कमिश्नर ने निर्देश दिए हैं कि अमानक स्तर के खाद बीज और कीटनाशक बेचने वाले फर्मों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि सागर संभाग में किसी भी स्थिति में अमानक स्तर का खाद बीज और कीटनाशकों का विक्रय नहीं होना चाहिए। कमिश्नर ने कहा कि अगर कोई फर्म अमानक स्तर का खाद बीज और कीटनाशक विक्रय करता हुआ पाया जाता है तो ऐसे फर्मों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्यवाही होनी चाहिए। कमिश्नर ने संभाग अंतर्गत खाद, बीजों और कीटनाशकों के गुण नियंत्रण हेतु

गांव-गांव बिक रही अवैध शराब, महिलाओं का फूटा गुस्सा- शराबबंदी की मांग

पन्ना।

पन्ना जिले की तहसील पवई के ग्राम हड़ा में अवैध शराब बिक्री और गुंडागर्दी के खिलाफ आज गांव की महिलाओं ने जोरदार प्रदर्शन किया और एसडीएम, थाना प्रभारी एवं एसडीओपी पवई को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीण महिलाओं का आरोप है कि गांव में खुलेआम 24 घंटे अवैध शराब की बिक्री हो रही है। शराब बेचने वाले दबंग माफिया राजनीतिक संरक्षण के चलते न सिर्फ शराब बेच रहे हैं बल्कि ग्रामीणों को धमकियां देते हैं, गाली-गलौज करते हैं और डर का माहौल बना रहे हैं। महिलाओं का कहना है कि शराबखोरी के कारण बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे हैं, महिलाएं आंगनवाड़ी और पंचायत कार्यालय जाने से डरती हैं। शराब बिक्री के ठिकाने ही पंचायत भवन, स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्र के आसपास बने हुए हैं।

ग्राम सरपंच बबली वंशकार ने बताया कि दबंग लोग खुलेआम कहते हैं कि ष्कोई मेरा कुछ नहीं कर सकता।ष महिलाओं ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने जल्द सख्त कार्रवाई नहीं की तो वे स्वयं डंडा उठाकर नशा माफियाओं के खिलाफ खड़ी होंगी। एक पीड़ित बुजुर्ग महिला ने बताया कि उसका दामाद अपनी पत्नी को जबरन शराब पिलाता है और विरोध करने पर मारपीट करता है, जिसके चलते उसकी बेटी भी नशे की गिरफ्त में आ रही है। महिलाओं ने स्पष्ट कहा कि शराबबंदी लागू की जाए, भले ही सरकार को ष्लाड़ली बहना योजनाष बंद करनी पड़े, लेकिन नशा मुक्त गांव चाहिए। इसी बीच भगवती मानव कल्याण संगठन भी पूज्य गुरुदेव के दिशा-निर्देशन में गांव-गांव नशा मुक्ति अभियान चला रहा है और ग्रामीणों को संगठित कर रहा है। संगठन ने महिलाओं से अपील की है कि वे एकजुट होकर इस आंदोलन को और मजबूत करें। नारी शक्ति के इस आक्रोश ने प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीण अब उम्मीद कर रहे हैं कि अवैध शराब और गुंडागर्दी के खिलाफ ठोस कदम उठाए जाएंगे।

पुरानी रंजिश के चलते जयपाल नगर में 37 वर्षीय युवक की हत्या

पवई। थाना के ग्राम जयपाल नगर में मंगलवार की दोपहर लगभग ढाई बजे ग्राम के ही कुछ युवाओं द्वारा कमलेश आदिवासी पिता श्यामलिया आदिवासी उम्र 38 वर्ष की पुरानी रंजिश के चलते सर में लाठी डंडों से हमला कर हत्या कर दी गई, इसकी जानकारी मृतक के परिजनों द्वारा पवई पुलिस को दी गई सूचना मिलते ही एसडीओपी भावना सिंह ढागी थाना प्रभारी त्रिवेंद्र त्रिवेदी प्रधान आरक्षक गणेश सिंह ,नागेंद्र माझी व पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे और पंचनामा कार्रवाई करते हुए मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए पवई लाया गया।

इनका कहना है -

थाना प्रभारी त्रिवेंद्र त्रिवेदी से फोन पर बात हुई उन्होंने बताया कि पुरानी रंजिश के चलते यह हत्या हुई है जिसमें ग्राम के ही युवाओं के नाम सामने आ रहे हैं जिसका खुलासा जल्द होगा और आरोपी गिरफ्त में होंगे।

त्रिवेंद्र त्रिवेदी थाना प्रभारी पवई

खबर संक्षेप

छात्रों से सफाई कराने के मामले में प्रधानअध्यापिका मंजू नायक निलंबित

छतरपुर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कीरतपुरा की प्रधानअध्यापिका मंजू नायक को जिला शिक्षा अधिकारी अरूण शंकर पाण्डेय ने इसलिए निलबिंत कर दिया क्योंकि पिछले दिनों सोशल मीडिया में एक बीडियो वायरल हुआ था जिसमें कीरतपुरा स्कूल की प्रधानअध्यापिका मंजू नायक द्वारा छात्रों से विद्यालय और शौचालय की सफाई कराई जा रही थी यह बीडियो वायरल होने पर जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा मामले की जांच कराने के लिए एक समिति बनाई गई। इस समिति ने मामले की जांच कर जांच रिपोर्ट जिला शिक्षा अधिकारी को सौंपी जिसमें पाया गया कि प्रधान अध्यापिका मंजू नायक द्वारा बच्चों से सफाई कराई जाती थी उनका यह कृत्य मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण के विपरीत पाया गया और प्रधान अध्यापिका मंजू नायक को निलबिंत कर उन्हें शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हीरापुर अटैच किया गया है। इस दौरान उन्हें जीवन निर्वाह भत्ता की पात्रता रहेंगी।

बांध के पानी से प्रभावित हो रहा जनजीवन

छतरपुर। मंगलवार को नौगांव जनपद की ग्राम पंचायत कुर्राहा के गर्रापुरवा और छोटा गनेशपुरा से आए ग्रामीणों ने कलेक्टर कार्यालय में आवेदन देते हुए बताया कि उर्मिल बांध के पानी से गांव के लोगों को भारी परेशानी हो रही है। ग्रामीणों ने आवेदन देकर समस्या का समाधान कराने की मांग जिला प्रशासन से की है। ग्रामीण धीरेन्द्र यादव, महेन्द्र सिंह यादव आदि ने बताया कि ग्राम गर्रापुरवा-छोटा गनेशपुरा लिंक रोड पर बने उर्मिल बांध के पुल पर करीब 3 फिट पानी भरा है और गांव में भी पानी भरा हुआ है, जिससे आवागमन और जनजीवन प्रभावित हो रहा है। छोटे बच्चे पढने नहीं जा पा रहे हैं, यदि कोई बीमार हो जाये तो अस्पताल पहुंचने में परेशानी हो रही है, किसान अपने खेतों पर भी नहीं जा पा रहे हैं। गांव के बच्चे करीब 15 दिनों से स्कूल नहीं पहुंच सके हैं। ग्रामीणों ने मांग की है कि उर्मिल बांध का पानी खाली कराया जाए, ताकि ग्रामीणों को उक्त समस्या से निजात मिल सके।

वायरल हो रहा छतरपुर के टीआई का अनोखा अंदाज

छतरपुर। शहर के ओरछा रोड थाना प्रभारी उप निरीक्षक दीपक यादव का अनोखा अंदाज इस समय सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। दरअसल इन दिनों दीपक यादव को लगातार घुड़सवारी करते देखा जा रहा है। लगातार उनके वीडियो सोशल मीडिया पर आ रहे हैं, जिनकी आम लोगों द्वारा सराहना की जा रही है। बीते रोज रात के अंधेरे में फोरलेन पर दीपक यादव घोड़े पर तेज रफ्तार में घुड़सवारी करते नजर आए। उनका यह अनोखा अंदाज लोगों को पुराने जमाने की फिल्मों की याद दिला रहा है, जब पुलिस घोड़े पर सवार होकर अपराधियों का पीछा करती थी। पहले से ही अपनी लंबी मूंछों के लिए मशहूर दीपक यादव अब 'घोड़े वाले थाना प्रभारी' के नाम से अपनी नई पहचान बना रहे हैं। राहगीरों द्वारा बनाए जाने वाले उनके वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड होते ही वायरल हो रहे हैं। दीपक यादव का यह पेट्रोलिंग अंदाज न केवल लोगों का ध्यान खींच रहा है, बल्कि उनकी साहसिक और अनोखी शैली की भी सराहना हो रही है। इससे पहले भी उनकी कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन चुके हैं।

पुलिस आकस्मिक सेवा डायल 112 ने पहुंचाया जिला अस्पताल, सिविल लाईन पुलिस कर रही जांच

रेलवे पुल के नीचे मिली बेहोशी की हालत में महिला

छतरपुर। मंगलवार की सुबह एक सनसनीखेज मामला सामने आया जिसमें थाना सिविल लाईन के अंतर्गत नेशनल हाइवे सागर रोड़ में रेलवे ब्रिज के नीचे एक महिला बेहोशी की हालत में मिली उसके हाथ पैर और मुंह बंधा हुआ था। सुबह 8 बजे जैसे ही स्थानीय लोगों ने महिला को पड़ा देखा तो पुलिस आकस्मिक सेवा डायल 112 को सूचना दी सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम घटना स्थल पर पहुंची और बेहोशी की हालत में पड़ी महिला को डायल 112 के माध्यम से जिला अस्पताल पहुंचाया। खबर लगते ही सिविल लाईन टीआई बाल्मीक चौबे भी जिला अस्पताल पहुंचे और उन्होंने महिला की पहचान कराने के प्रयास किए जिससे पता चला की महिला बिजावर थाना क्षेत्र के ग्राम भारतपुरा की रहने बाली है। उसे जिला अस्पताल के प्रसूति वार्ड में भर्ती कराया गया। डॉ. आशीष शुक्ला ने महिला का प्राथमिक उपचार किया और डॉ.निधि खरे द्वारा प्रसूति वार्ड में महिला की देखरेख की जा रही है। सिविल लाईन थाना प्रभारी बाल्मीक चौबे का कहना है कि महिला को संदिग्ध अवस्था में हाथ पैर व मुंह बंधे होने पर पुल के नीचे पाया गया है। मामले की जांच की जा रही है जो भी तथ्य सामने आयगें उस आधार पर उचित कार्यवाही की जाएंगी। महिला को अस्पताल पहुंचाने में आरक्षक 544 पुष्पेद्र अहिरवार और डायल 112 के पायलट मनीष शर्मा की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

पूर्व में कई थानों में दर्ज करा चुकी मामले -
सूत्रों के अनुसार जिस महिला को पुल के नीचे बेहोशी की हालत में पाया गया है। बह महिला भारतपुरा थाना बिजावर की रहने बाली है। और उक्त महिला ने पूर्व में कई थानों में गंभीर आरोप लगाकर प्रकरण दर्ज कराएं है। वर्तमान मामले को लेकर पुलिस भी सतर्क है। और घटना स्थल की जांच कर रही है। ऐसी चर्चाएं भी है कि बह महिला फर्जी केस भी लगवा चुकी है। बिजावर और गुलगंज क्षेत्र के बाद उक्त महिला ने सिविल लाईन क्षेत्र में साजिश रची है। यह भी चर्चा है कि वह पिछले 6 माह से सरपंच और सचिव पर केस लगवाने का षडयंत्र रच रही थी। अब इस बार देखना है कि पुलिस की जांच में क्या सच्चाई सामने आती है।

इनका कहना है -
मामला पूर्व से ही सदिग्ध है। दोनो पक्षों की ओर से आवेदन आएं है महिला द्वारा अपने पति, सास और उसके दोस्तों के विरूद्व आवेदन देकर मारपीट के आरोप लगाएं जिसकी जांच की जा रही है।
बाल्मीक चौबे
टीआई सिविल लाईन

लव जिहाद मामले में नया मोड़ पीड़िता अपने बयान से पलटी

बोली- अपने भाई के दबाव में आकर दर्ज कराई थी झूठी एफआईआर

छतरपुर। करीब 4 माह पहले मातगुंवा थाना क्षेत्र में सामने आए लव जिहाद, धर्म परिवर्तन, दुष्कर्म और मारपीट के चर्चित मामले ने अब नया मोड़ ले लिया है। दरअसल मामले की पीड़िता युवती ने एक बार फिर मीडिया के सामने आकर चौंकाने वाला बयान दिया है। उसका कहना है कि उसने अपने भाई और दोस्तों के दबाव में आकर झूठी एफआईआर दर्ज कराई थी। युवती के इस बयान के बाद उसका साथ देने वाले हिन्दू संगठनों में भी नाराजगी है और अब उनके द्वारा युवती पर कार्रवाई की मांग की जा रही है।

यह है मामला

युवती ने बताया कि नाबालिग अवस्था में उसके माता-पिता ने उसकी शादी दमोह निवासी कुलदीप जैन से कर दी थी, जिससे उसके दो बच्चे हैं। वैवाहिक विवाद के चलते तलाक का मामला कोर्ट में चल रहा था। इसी दौरान अपने भाई की शादी में उसकी मुलाकात मातगुवां निवासी समीर खान से हुई, दोनों में प्रेम संबंध बने और उन्होंने

कोर्ट मैरिज कर ली। युवती ने बताया कि चूंकि उसका भाई, मां और दोस्त उसके फैसले से सहमत नहीं थे और लगातार उस पर दबाव बना रहे थे, जिसमें चलते 1 मई 2025 को उसने मातगुवां थाना में समीर के विरुद्ध झूठी एफआईआर दर्ज करवा दी थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर समीर को जेल भी भेज दिया था, जबकि समीर ने न तो उस पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया, न मांस खिलाया, न ही कलमा पढ़वाया।

हिन्दू संगठनों ने जताई नाराजगी

वहीं युवती के इस बयान के बाद हिन्दू संगठनों ने उस पर नाराजगी जाहिर की है। भगवा ब्रिगेड के संगठन प्रमुख प्रशांत महतों ने कहा कि जब युवती उनके पास आई थी, तब उसकी मानसिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि वह सही-गलत का फैसला कर पाती। संगठन ने ही युवती के परिवार और दोस्तों के साथ मिलकर उसकी मदद की थी और एफआईआर दर्ज करवाई थी लेकिन अब, युवती अपने बयान बदल रही है और कह रही है कि उस पर परिवार का दबाव था। प्रशांत महतों का कहना है कि ऐसा नहीं है। उस समय लड़की अपनी मर्जी से बयान दे रही थी और उन्हीं बयानों के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई थी। उन्हें संदेह है कि शायद लड़की को जान से मारने की धमकी देकर या किसी अन्य तरीके से मानसिक दबाव डालकर बयान बदलने के लिए मजबूर किया जा रहा है। उन्होंने प्रशासन से इस मामले की गंभीरता से जांच करने की अपील की है।

इनका कहना है -
1 मई 2025 को युवती की शिकायत पर मध्य प्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम 2021 और बीएनएस की धारा 64(2) के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। जांच पूरी होने के बाद आरोपी समीर खान को जेल भेजा गया था, जो चार महीने बाद रिहा हुआ। युवती के नए बयान के बाद मामले की जांच नए सिरे से की जा सकती है।
अंकुर दुबे, थाना प्रभारी, मातगुवां

जिला अस्पताल में चूहों पर नकेल कसने की कवायद शुरू

सफाई और पेस्ट कंट्रोल के लिए प्रशासन सक्रिय, सख्त निगरानी का निर्देश

छतरपुर। जिला अस्पताल में चूहों के आतंक की खबरें सामने आने के बाद प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई शुरू कर दी है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देश पर सिविल सर्जन ने चूहों को नियंत्रित करने और अस्पताल की सफाई के लिए विशेष टीमें तैनात की हैं। साथ ही सभी वार्डों और स्टोर रूम में व्यापक सफाई अभियान शुरू हो गया है, ताकि मरीजों और उनके परिजनों को राहत मिल सके।
सिविल सर्जन डॉ. शारद चौरसिया ने बताया कि चूहों के नियंत्रण और सफाई के लिए पहले जारी टेंडर में सतना की कंपनी ने प्रभावी कार्य नहीं किया था, जिसके बाद कंपनी को दोबारा सख्त निर्देश दिए गए हैं। अब प्रति वर्ग फुट 1.18 रुपये की दर से भुगतान के साथ सफाई और पेस्ट कंट्रोल का काम तेजी से चल रहा है। पेस्ट कंट्रोल टीम चूहों को पकड़ने और भगाने के लिए दवाओं का छिड़काव कर रही है, साथ ही स्टोर रूम के लिए चूहे पकड़ने वाले पिंजरे भी मंगाए गए हैं। डॉ. चौरसिया ने बताया कि पहले फ्लोर की सफाई पूरी हो चुकी है, और अब अन्य वार्डों में यह अभियान जारी है। टेंडर के तहत हर छह महीने में सफाई का प्रावधान है। प्रशासन ने सख्त निगरानी की व्यवस्था की है ताकि कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित हो। डॉ. चौरसिया ने कहा कि यह अभियान मरीजों की सुविधा और स्वच्छता के लिए निरंतर चलता रहेगा।

आज और 24 को होगा विद्युत शिकायतों का निवारण

छतरपुर। म.प्र. विद्युत नियामक आयोग के निर्देशानुसार जिला छतरपुर के विद्युत उपभोक्ताओं की शिकायतों के निराकरण के लिए जिला स्तरीय विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण शिविर का आयोजन सटई रोड पर स्थित अधीक्षण अभियंता (सं/सं) म.प्र.पू.क्षे.वि.वि.क.लि. कार्यालय छतरपुर में बुधवार 10 सितंबर एवं 24 सितंबर 2025 को प्रातः 11 बजे से 1 बजे तक आयोजित किया जाएगा। अधीक्षण अभियंता म.प्र. पूर्व क्षेत्र वि.वि.कं.लि. छतरपुर ने अपील की है कि विद्युत उपभोक्ता नियत दिनांक एवं समय पर उपस्थित होकर शिकायत निवारण शिविर में अपनी शिकायतों को दर्ज करवाकर शिकायतों का निराकरण करा सकते हैं।

अमानक स्तर के खाद बीज बेचने वालों के विरुद्ध करें सख्त कार्यवाही: कमिश्नर

सागर संभाग के सभी उपसंचालक कृषि को नोटिस देने के दिए निर्देश

छतरपुर। कमिश्नर सागर संभाग श्री अनिल सुचारी ने सागर संभाग में अमानक स्तर के बीज खाद एवं कीटनाशक बेचने वालों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करने के निर्देश सागर संभाग के सभी कृषि विभाग के उपसंचालकों को दिए हैं। कमिश्नर ने सागर संभाग के कृषि विभाग के सभी उपसंचालकों को निर्देश दिए हैं कि वे अमानक स्तर के खाद बीज और कीटनाशक बेचने वाले फर्मों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करें।
उन्होंने निर्देश दिए हैं कि सागर संभाग में किसी भी स्थिति में अमानक स्तर का खाद बीज और कीटनाशकों का विक्रय नहीं होना चाहिए। कमिश्नर ने कहा कि अगर कोई फर्म अमानक स्तर का खाद बीज और कीटनाशक विक्रय करता हुआ पाया जाता है तों ऐंसे फर्मों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्यवाही होनी चाहिए। कमिश्नर ने सागर संभाग में खाद, बीजों और कीटनाशकों के गुण नियंत्रण हेतु निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध अपेक्षित कार्यवाही नहीं होने के कारण सागर संभाग के सभी कृषि विभाग के उपसंचालकों को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश संयुक्त संचालक कृषि को दिए हैं। कमिश्नर सागर संभाग अनिल सुचारी ने उक्त निर्देश आज कृषि विभाग की संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए। बैठक में कमिश्नर ने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सागर संभाग में पराली जलाने से होने वाले हानियों के प्रति किसानों को जागरुक करें तथा पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए सतत प्रयास करें। कमिश्नर ने कहा कि सागर संभाग में आधुनिक कृषि यंत्रों हैप्पी सीडर, सुपर सीडर के संबंध में कियानों को जानकारी होना चाहिए।
उन्होंने कहा कि हैप्पी सीडर और सुपर सीडर जैसे कृषि यंत्रों का किसानों के बीच में प्रदर्शन कराएं और उनका उपयोग करने के लिए किसानों को प्रोत्साहित भी करें। बैठक में कमिश्नर ने स्वाईल हेल्थ कार्ड योजना की जिलेवार समीक्षा करते हुए कहा कि स्वाईल हेल्थ कार्ड योजना का शतप्रतिशत लक्ष्य सभी जिलों में पूर्ण कराएं। बैठक में कमिश्नर द्वारा सागर संभाग की मंडी समितियों की स्थिति की भी समीक्षा की गई। बैठक में संयुक्त संचालक मंडी बोर्ड ने बताया कि सागर संभाग में 36 मंडियां संचालित हैं। सभी मंडियों में आवक की स्थिति धनात्मक है और सभी मंडियों की आय भी धनात्मक स्थिति में है। बैठक में कमिश्नर द्वारा एमपीएग्रो के कार्यों की भी समीक्षा की गई। बैठक में संयुक्त संचालक विकास श्री राकेश शुक्ला, संयुक्त संचालक कृषि सागर संभाग, संयुक्त संचालक सहकारिता, संयुक्त संचालक मंडी बोर्ड सागर एवं एमपीएग्रो के अधिकारी उपस्थित रहे।

जन सहयोग से निर्मित केंद्र का विधायक और एसपी ने किया शुभारंभ

संकट मोचन तिराहे पर बना नया पुलिस सहायता केन्द्र

छतरपुर। जिला मुख्यालय पर सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक दुरुस्त करने की मंशा से पुलिस सहायता केन्द्र बनाए जा रहे हैं। मंगलवार को शहर के संकट मोचन इलाके में जन सहयोग से निर्मित आधुनिक पुलिस सहायता केंद्र का छतरपुर विधायक और पुलिस अधीक्षक ने शुभारंभ किया। इस दौरान स्थानीय रहवासियों के अलावा नगर के गणमान्य लोग और पुलिस के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।
कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विधायक ललिता यादव ने रिबिन काटकर पुलिस सहायता केन्द्र का शुभारंभ किया और केन्द्र में मौजूद सुविधाओं का बारीकी से अवलोकन किया। विधायक ललिता यादव ने कहा कि पुलिस अधीक्षक अगम जैन की यह सराहनीय पहल है, जिसमें हम भरपूर सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस सहायता केन्द्र बनने से स्थानीय लोगों को त्वरित मिलने की संभावना बढ़ गई है। अभी तक लोगों को अपनी शिकायत लेकर थाना या फिर पुलिस अधिकारियों के कार्यालय तक जाना पड़ता था जो कि अब नहीं करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस क्षेत्र की पुलिस थानों से अधिक दूरी होने के कारण अपराधी बेखौफ होकर

वारदातों को अंजाम देकर भाग जाते थे लेकिन पुलिस सहायता केन्द्र की स्थापना से अपराधियों में पुलिस का खौफ रहेगा जो कि सुरक्षा के दृष्टिकोण से लाभकारी है। वहीं पुलिस अधीक्षक अगम जैन ने बताया कि सभी प्रमुख त्यौहारों पर इस क्षेत्र में आयोजन होते हैं, ऐसे में यहां पुलिस की उपलब्धता सुनिश्चित करने की मंशा से चौकी का निर्माण कराया गया है। श्री जैन ने बताया कि चूंकि संकट मोचन से सिविल लाइन थाना की दूरी काफी है, ऐसे में शिकायतकर्ताओं को शिकायत करने में परेशानी होती है, जिसका समाधान इस केन्द्र की स्थापना से हो गया है। इसके साथ ही केन्द्र पर तैनात पुलिस बल लगातार अपराधियों और असमाजिक तत्वों की निगरानी करेगा, ताकि आपराधिक घटनाएं न हों। यह पुलिस सहायता केंद्र पूर्णतः आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है, जिसमें वातानुकूलन, वेंटिलेशन, विश्राम हेतु पृथक केबिन, दो बेड, प्रकाश, फर्नीचर एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं। चौकी 24 घंटे जनसेवा हेतु खुली रहेगी। यह क्षेत्र एक मिश्रित आबादी वाला क्षेत्र है, चौकी के निर्माण में सभी संप्रदाय के लोगों ने सहयोग किया। इस क्षेत्र में आकस्मिक पुलिस सेवा डायल 112, दोनों थानों के मोबाइल, चीता मोबाइल, अतिरिक्त मोबाइल पार्टी निरंतर पेट्रोलिंग में रहेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे में यह बहुत महत्वपूर्ण है कि आस-पास के लोग भी पुलिस का सहयोग करें, क्योंकि हम सब मिलकर ही अपराध मुक्त समाज का निर्माण कर सकते हैं। लोकार्पण कार्यक्रम के पश्चात जनप्रतिनिधि, क्षेत्रवासी एवं धार्मिक गुरुओं की उपस्थिति में जनसंवाद कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ। जनसंवाद में आपराधिक गतिविधि में नियंत्रण हेतु विस्तार से चर्चा की गई। साइबर अपराधों से बचाव हेतु जागरूक किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों द्वारा पुलिस जनसंवाद, ऑनलाइन शिकायतकर्ताओं से संवाद, नशे से दूरी , बेटी की शिकायत पेटी इत्यादि अभियानों की प्रशंसा की गई। इस अवसर पर थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक अरविंद सिंह दांगी, थाना प्रभारी सिविल लाइन निरीक्षक बाल्मीकि चौबे, नगर के गणमान्य नागरिक, पत्रकारबंधु, क्षेत्रवासी एवं पुलिस विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। जन सहयोग से निर्मित यह पुलिस सहायता केंद्र जन सेवा हेतु समर्पित है, क्षेत्र वासियों एवं पुलिस अधिकारियों ने परस्पर आभार व्यक्त किया।

भारतीय किसान संघ ने निकाली ट्रैक्टर रैली

राजनगर। भारतीय किसान संघ महाकौशल प्रांत के बैनर तले किसानों ने मंगलवार को नगर परिषद सभागार में मंचीय कार्यक्रम के बाद ट्रैक्टर रैली निकाली और तहसील प्रांगण पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम 9 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। एसडीएम प्रशांत अग्रवाल और तहसीलदार धीरज गौतम को सौंपे गए इस ज्ञापन में मूंगफली खरीदी का समर्थन मूल्य 7263 रुपये प्रति क्विंटल करने, मंडियों में बेहतर खरीदी व्यवस्था, बिजली और सिंचाई समस्याओं का समाधान, आवारा पशुओं से फसलों की सुरक्षा, भू-अधिग्रहण कानून में संशोधन, और सहकारी संस्थाओं के माध्यम से खाद-बीज वितरण व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग शामिल थी। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रांत अध्यक्ष गजराज सिंह, प्रांत महामंत्री प्रहलाद सिंह, प्रांत संगठन मंत्री तुलाराम, संभागीय अध्यक्ष रहीस, जिला अध्यक्ष अयोध्या प्रसाद पटेल, जिला मीडिया प्रभारी हरदयाल कुशवाहा, युवा वाहिनी जिला प्रमुख राधाचरण पटेल सहित सैकड़ों किसान और पुलिस प्रशासन मौजूद रहा।

प्रधान जिला न्यायाधीश ने जागरूकता रथ को दिखाई हरी झंडी

छतरपुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली सहित मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशन में 13 सितम्बर 2025 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष रविन्द्र सिंह द्वारा एवं अन्य समस्त न्यायाधीशगणों की गरिमामयी उपस्थिति में जिला न्यायालय छतरपुर से प्रचार वाहन को हरी झण्डी दिखाकर प्रचार-प्रसार के लिए रवाना किया गया। विदित है कि दिनांक 13 सितम्बर, 2025 को वर्ष की तृतीय नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।
नेशनल लोक अदालत में विद्युत, नगरपालिका के प्रीलिटिगेशन प्रकरण एवं न्यायालय में लंबित प्रकरणों को भी रखा जा रहा है, जिसके लिए नगरपालिका के वाहनों में जिंगल चलाई जा रही है। साथ ही 06 सितम्बर 2025 को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रचार वाहन, नगरपालिका एवं बिजली विभाग द्वारा वाहनों को संयुक्त रूप प्रचार वाहनों को शहर में प्रचार-प्रसार के लिए रवाना किया गया। कार्यक्रम में जिला न्यायाधीश कविता वर्मा, जिला न्यायाधीश आशीष श्रीवास्तव, हिमांशु शर्मा, निवेश कुमार जायसवाल, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट स्वाति निवेश जायसवाल, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विष्णु प्रसाद सोलंकी, न्यायिक मजिस्ट्रेट रानो बघेल, न्यायिक मजिस्ट्रेट आकांक्षा गर्ग एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी डॉ. वीरेन्द्र चढार, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण स्टाफ सहित नगरपालिका के कर्मचारी भी उपस्थित रहे। प्रचार वाहन के साथ लोक अदालत से संबंधित पेम्पलेट को भी वितरित किया गया, जिससे आम नागरिकों को लोक अदालत के बारे में जानकारी प्राप्त हो सके। साथ ही साथ उक्त कार्यक्रम में सचिव श्री सोलंकी द्वारा उपस्थित समस्त को आगामी 13 सितम्बर 2025 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए अधिक से अधिक संख्या में प्रकरणों का निराकरण कराए जाने के लिए अनुरोध किया गया।

खबर संक्षेप

अपर कलेक्टर विकास ने 70 आवेदन पत्रों में की सुनवाई

रीवा । कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आमजनता के आवेदन पत्रों के निराकरण के लिए साप्ताहिक जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर विकास मेहताब सिंह गुर्जर ने आमजनता के 70 आवेदन पत्रों में सुनवाई की। अपर कलेक्टर ने अधिकारियों को जनसुनवाई के आवेदन पत्रों का तत्परता से निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में डिप्टी कलेक्टर आरके सिन्हा तथा डिप्टी कलेक्टर जीपी अग्रवाल ने भी आमजनता के आवेदनों में सुनवाई की। जनसुनवाई में सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। जनसुनवाई में ग्राम लालगांव के निवासियों ने मुक्तिधाम तक जाने के लिए आम रास्ता खुलवाने एवं मुक्तिधाम में टीनशेड निर्माण के लिए आवेदन दिया। अपर कलेक्टर ने एसडीएम सिरमौर को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए। चन्द्रभान सिंह पटेल निवासी ग्राम गोदरी ने भूमि के सीमांकन के लिए आवेदन दिया। अपर कलेक्टर ने तहसीलदार मनगवां को आवेदन में तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए। देवेन्द्र सिंह लोध निवासी सिरमौर ने अतिथि शिक्षक के पद पर नियुक्ति के लिए आवेदन दिया। अपर कलेक्टर ने खण्ड शिक्षा अधिकारी सिरमौर को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए। जनसुनवाई में इन्द्रभान पाण्डेय निवासी ग्राम टीकर ने राजस्व आदेश की नकल के लिए आवेदन दिया। अपर कलेक्टर ने तहसीलदार हुजूर को आवेदक को तत्काल नकल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। श्रीमती शर्मिला गुप्ता निवासी पटेहरा ने प्रसूति सहायता राशि के लिए आवेदन दिया। अपर कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए। संतोष कुमार गुप्ता निवासी पटेहरा ने जनपद पंचायत जवा द्वारा संबल का ई केवायसी सत्यापन कराने के लिए आवेदन दिया। अपर कलेक्टर ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत जवा को तत्काल सत्यापन करने के निर्देश दिए। नृपेन्द्र तिवारी निवासी ग्राम नीगा ने खाद्यान्न पात्रता पर्ची प्रदान करने के लिए आवेदन दिया। अपर कलेक्टर ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत रीवा को आवेदन में कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

विद्युत अधिनियम के दो मामलों में आरोपी दोषमुक्त

रीवा। विशेष न्यायालय विद्युत अधिनियम, रीवा ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में अरुनेन्द्र सिंह पिता रामदेव सिंह, निवासी बड़ा गांव, थाना सेमरिया को विद्युत अधिनियम के अंतर्गत दर्ज दो अलग-अलग मामलों में दोषमुक्त कर दिया है। यह निर्णय दोनों मामलों की विस्तृत सुनवाई के उपरांत सुनाया गया, जिसमें आरोपी के विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य नहीं पाए गए। बता दे मध्य प्रदेश विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, के कार्यपालन अभियंता (पश्चिम संभाग, रीवा) द्वारा आरोपी अरुनेन्द्र सिंह के विरुद्ध विद्युत अधिनियम की धारा 135 के तहत दो अलग-अलग तिथियों में प्रकरण दर्ज किए गए थे। पहला मामला अपराध क्रमांक 319/15, अंतर्गत प्रकरण क्रमांक 195/16, दूसरा मामला अपराध क्रमांक 1014/15, अंतर्गत प्रकरण क्रमांक 179/16 के रूप में पंजीबद्ध किया गया था। दोनों ही मामलों में विद्युत चोरी एवं अनियमितता के आरोप लगाए गए थे और उन्हें विशेष न्यायालय विद्युत अधिनियम, रीवा में प्रस्तुत किया गया। विशेष न्यायालय के न्यायाधीश द्वारा दोनों ही मामलों की गहराई से विवेचना की गई, जिसमें अभियोजन द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य अपर्याप्त पाए गए। फलस्वरूप न्यायालय ने आरोपी अरुनेन्द्र सिंह को दोनों मामलों में पूरी तरह दोषमुक्त घोषित कर दिया। आरोपी अरुनेन्द्र सिंह की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विक्रम सिंह एवं सहयोगी अधिवक्ता कृष्णेंद्र सिंह सेंगर ने न्यायालय में पैरवी की। उन्होंने न्यायालय के समक्ष यह स्पष्ट रूप से प्रस्तुत किया कि आरोप केवल संदेह के आधार पर लगाए गए है।

बिना जवाबदेही तय किए, पीडब्ल्यूडी और अस्पताल प्रशासन एक-दूसरे पर टाल रहे ज़िम्मेदारी

सुपर स्पेशलिटी अस्पताल की इमारत संकट में, 5 साल में ही फटा पिलर

रीवा। प्रदेश सरकार की बहुप्रचारित स्वास्थ्य अधोसंरचना पर अब गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। रीवा स्थित सुपर स्पेशलिटी अस्पताल की हालत महज पांच वर्षों में ही जर्जर होती नजर आ रही है। अस्पताल के एक प्रमुख पिलर में दरार आने और दीवार के क्षतिग्रस्त होने की घटना ने भवन निर्माण की गुणवत्ता पर गहरा प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। बताया जा रहा है कि यह दरार एक लंबे समय से देखी जा रही थी, लेकिन उसे समय रहते मरम्मत नहीं कराया गया। अब स्थिति यह है कि दरारें बढ़ती जा रही हैं और पिलर के पास के हिस्से में संरचनात्मक क्षति गंभीर रूप ले चुकी है। इस खबर के सामने आते ही अस्पताल प्रशासन और लोक निर्माण विभाग में अफरातफरी मच गई। इस अस्पताल की नींव अगस्त 2016 में रखी गई थी और इसका लोकार्पण 7 अक्टूबर 2020 को किया गया था। मात्र पांच वर्षों में ही भवन के इस हाल ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिस स्थान पर दरार आई है, वह मुख्य पिलर के समीप है यानि भवन की संरचनात्मक मजबूती पर ही अब संदेह हो गया है स्थानीय समाजसेवियो का कहना है कि जिस इमारत में करोड़ों रुपये खर्च किए गए, उसकी यह दशा प्रदेश की निर्माण एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर गहरा सवाल है। अब मांग उठ रही है कि इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच हो और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए।

फॉल सीलिंग गिरने की घटनाएं आम, कई मरीज घायल

केवल पिलर में दरार ही नहीं, अस्पताल में फॉल सीलिंग गिरने की घटनाएं भी लगातार सामने आ रही हैं। हाल ही में न्यूरोलॉजी विभाग में छत की फॉल सीलिंग गिरने से कई मरीज घायल हो गए थे। इससे पहले आउटडोर विभाग में भी इसी तरह की घटना हो चुकी है। लेकिन हैरानी की बात यह

है कि इन घटनाओं के बाद अब तक किसी की जिम्मेदारी तय नहीं की गई है।

कागज़ी कार्रवाई में उलझा सच, ज़मीन पर कोई ठोस कदम नहीं

अस्पताल प्रशासन का कहना है कि उन्होंने पीडब्ल्यूडी को सूचना दे दी है और विभाग द्वारा तकनीकी जांच की जा रही है। वहीं पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों का कहना है कि निर्माण की ज़िम्मेदारी उस समय के ठेकेदार और तत्कालीन इंजीनियरों की थी। यानी जवाबदेही तय करने के बजाय जिम्मेदारी एक-दूसरे पर डाली जा रही है। हर समय मौजूद रहते हैं सैकड़ों मरीज और स्टाफ सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों का इलाज होता है। दिन-रात मरीज, उनके परिजन और मेडिकल स्टाफ यहां मौजूद रहते हैं। ऐसे में भवन की खस्ताहाल स्थिति किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है।

मानक के विपरीत निर्माण कार्य कराया गया

सामाजिक कार्यकर्ता एडवोकेट बीके माला ने पूरे मामले पर कहा कि जनता के साथ धोखा हर महीने सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल रीवा की कभी छत की सीलिंग गिरती है तो कभी आधा निर्माण भाग ही निकल जाता है इस प्रकार की लगातार घटनाएं सुपर स्पेशलिटी में हो रही है उसका मूल कारण है मानक के विपरीत निर्माण कार्य कराए गए व्यक्तिगत श्रेय लेने के उद्देश्य जल्दबाजी में निर्माण कार्य पूर्ण किया गया जो मानक मापदंडों के पूर्णता विपरीत साथी गुणवत्ता विहीन निर्माण कर कराया गया इस कर में लगे हुए तकनीकी अधिकारियों पर कार्रवाई होनी चाहिए निर्माण एजेंसी के विरुद्ध तत्काल एफआईआर दर्ज होनी चाहिए क्योंकि यह जनता से जुड़ा हुआ विषय स्वास्थ्य हॉस्पिटल सुपर स्पेशलिटी में कोई बड़ी अपनी घटनाएं घटित हो सकते हैं इसकी आखिर जवाबदारी किसकी होगी साथ ही सुपर स्पेशलिटी के अधीक्षक डॉ श्रीवास्तव के विरुद्ध भी कार्रवाई होनी चाहिए क्योंकि इन सब कमियों को लेकर समय पर रहते हुए अपने सजक नहीं किया और जानकारी नहीं दी इस पूरे व्यापक भ्रष्टाचार कमीशन खोरी के कारण यह स्थिति निर्मित हुई है।

नोटरी महासंघ ने राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

रीवा । नोटरी महासंघ रीवा द्वारा नोटेरियल शुल्क में वृद्धि को लेकर राष्ट्रपति के नाम से आयुक्त रीवा संभाग को ज्ञापन सौंप कर नोटरिय शुल्क वृद्धि किए जाने की मांग की है नोटरी महासंघ के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया है कि प्रदेश सरकार द्वारा स्टांप शुल्क में भारी वृद्धि की गई है जो शपथ पत्र ₹50 के स्टांप में दिया जाता था उसे ₹200 कर दिया गया है हर नोटेरियल कार्य में लगाए जाने वाले स्टांप मे व्यापक वृद्धि की गई है परंतु नोटरी कार्य के शुल्क में लंबे समय से वृद्धि नहीं की गई है महंगाई को दृष्टिगत रखते हुए नोटेरियल शुल्क में वृद्धि किया जाना आवश्यक है उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से मांग की है की प्रदेशसरकार के द्वारा बढ़ाये गएशुल्क के अनुरूप नोटरियों द्वारा कोई भी दस्तावेज स्टांपित किया जाए और कमिश्नर महोदय से उन्होंने सभी विभागों को स्टांप वृद्धि के अनुरूप ही स्टांपित दस्तावेज लेने के लिए निर्देशित करने का अनुरोध किया है उन्होंने बताया कि अभी भी कई शासकीय विभाग ₹10 और ₹50 के स्टांप को ले रहे हैं जिस पर रोक लगाई जाए और सभी शासकीय विभाग नए आदेश के अनुरूप ही स्टांप प्राप्त करें राज सरकार के आदेश का पालननहीं करने वाले अधिकारियों और विभागों के खिलाफ सख्त कार्यवाही हो रीवा जिले में स्टांप के माध्यम से राजस्व को क्षति पहुंचाने का खेल हो रहा है जिस पर प्रशासनिक अधिकारी औचक निरीक्षण कर दस्तावेज का सत्यापन करें किरायानामा अनिवार्य किया जाए और मकान मालिकों को अनिवार्य रूप से किराया नाम बनवाकर उसका सत्यापन बढ़े हुए स्टंप के अनुरूप किया जाए जिससे राज्य सरकार को राजस्व की क्षतिपूर्ति ना हो ज्ञापन के माध्यम से नोटेरियल टिकट ₹50 की छपाईका आग्रह भी किया गया है ज्ञापन देने वाले दल में नोटरी महासंघ के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद तिवारी संयोजक योगेंद्र शुक्ला महामंत्री अनिल कुमार श्रीवास्तव और मनोज सिंह सिंगर सहित नोटरी गण उपस्थित रहे।

रोजगार मेले के लिए निर्धारित लक्ष्य के अनुसार तैयारी करें - कमिश्नर

संभागीय बैठक के निर्देशों पर तथ्यपूर्ण रिपोर्ट दें

रीवा। कमिश्नर बीएस जामोद ने कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री तथा प्रभारी अपर मुख्य सचिव द्वारा ली गई संभागीय बैठक के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि संभागीय बैठक में विभिन्न जनप्रतिनिधियों द्वारा रखी गई मांगों और दिए गए सुझावों के संबंध में विभागीय निर्देशों के अनुरूप कार्यवाही करें। जो बिन्दु शासन स्तर से संबंधित हैं उनके प्रस्ताव भेजकर लगातार फालोअप करें। बैठक में दिए गए निर्देशों के पालन प्रतिवेदन में सभी अधिकारी तथ्यपूर्ण जानकारी दर्ज करें। जिला और संभाग स्तर की कोई भी कार्यवाही लंबित न रहे। सभी अधिकारी पालन प्रतिवेदन में अद्यतन जानकारी पोर्टल पर आज ही अपडेट कर दें।
बैठक में कमिश्नर ने कहा कि 17 सितम्बर को संभाग की प्रभारी अपर मुख्य सचिव संभागीय बैठक के निर्देशों की समीक्षा करेंगी। बैठक से पूर्व सभी अधिकारी विभाग से संबंधित बिन्दुओं पर पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत कर दें। बैठक में कमिश्नर ने गोड़ सागर सिंचाई परियोजना, सिंगरौली में स्टेडियम निर्माण, मैहर-उमरिया मार्ग में महानदी पुल के सुधार कार्य, त्योंथर फ्लो सिंचाई परियोजना तथा दौरी सागर बांध निर्माण के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। कमिश्नर ने कहा कि संभाग के सभी जिलों में गौ वन्य विहार अभ्यारण्य निर्माण के प्रस्ताव एक सप्ताह में प्रस्तुत कर दें। मैहर में माँ शारदा लोक निर्माण की व्यावहारिक कार्ययोजना बनाकर शासन द्वारा आवंटित राशि से निर्माण प्रस्तावित करें। चित्रकूट में भी वनवासी रामलोक निर्माण की कार्ययोजना में आवश्यक सुधार करके उसे पुनः प्रस्तुत करें। बैठक में कमिश्नर ने कहा कि अक्टूबर माह के अंतिम सप्ताह में वृहद रोजगार मेले में 50 हजार से अधिक हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाएगा। सभी अधिकारी निर्धारित लक्ष्य के अनुसार प्रकरण स्वीकृत कराकर हितग्राहियों को रोजगार और स्वरोजगार योजनाओं से लाभान्वित करें। सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए प्रतिदिन एक आवेदक से फोन से संपर्क करें। समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं पर लंबित प्रकरणों तथा 100 दिन से अधिक समय से लंबित सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का तत्परता से निराकरण करें। सभी अधिकारी ई आफिस के माध्यम से ही पत्राचार करें तथा फाइलें भेजें। बैठक में संयुक्त आयुक्त सुदेश मालवीय, संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी, संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे, क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य डॉ एमएल गुप्ता, डीन मेडिकल कालेज डॉ सुनील अग्रवाल, संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास शशि श्याम उइके, चीफ इंजीनियर ऊर्जा प्रमा पाण्डेय, सहायक संचालक कृषि प्रीति द्विवेदी, अधीक्षण यंत्री पीएचई महेन्द्र सिंह तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

डीआईजी राजेश सिंह भोपाल स्थानांतरित,हेमंत चौहान को सौंपी गई रीवा रेंज की कमान

रीवा। मुख्यमंत्री के मऊगंज दौरे के ठीक 24 घंटे के भीतर आईपीएस स्तर पर फेरबदल किया गया,पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार, डीआईजी राजेश सिंह चंदेल का तबादला कर उन्हें भोपाल ग्रामीण रेंज की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके स्थान पर 2010 बैच के आईपीएस अधिकारी हेमंत चौहान को रीवा रेंज का नया डीआईजी नियुक्त किया गया है। हेमंत चौहान इससे पहले कई अहम पदों पर कार्य कर चुके हैं और उन्हें मृदुभाषी एवं सख्त प्रशासक के रूप में जाना जाता है,उल्लेखनीय है कि राजेश सिंह चंदेल को मात्र छह माह पूर्व ही डीआईजी रीवा रेंज की जिम्मेदारी दी गई थी।

शैलेंद्र सिंह चौहान बने रीवा नवागत पुलिस अधीक्षक

रीवा। जिले के पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह का तबादला कर दिया गया है। वे अब नई पदस्थापना के तहत भोपाल में सेवाएं देंगे। उनकी जगह शैलेंद्र सिंह चौहान को रीवा जिले का नया एसपी नियुक्त किया गया है। शासन द्वारा जारी तबादला आदेश के मुताबिक, शैलेंद्र सिंह चौहान जल्द ही रीवा में कार्यभार ग्रहण करेंगे। विवेक सिंह ने 1 अप्रैल 2023 को तत्कालीन एसपी नवनीत भसीन से रीवा का चार्ज लिया था और अपने 2 साल 7 महीने के कार्यकाल में जिले की कानून-व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में कई महत्वपूर्ण पहल कीं। अपराध नियंत्रण, महिला सुरक्षा, साइबर क्राइम रोकथाम, ट्रैफिक व्यवस्था और पुलिस-पब्लिक संवाद जैसे विषयों पर उन्होंने गंभीरता से कार्य किया। शैलेंद्र सिंह चौहान का अनुभव जिले के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है नए एसपी शैलेंद्र सिंह चौहान के पास व्यापक प्रशासनिक और कानून-व्यवस्था का अनुभव है। वे इससे पहले भिंड और मुरैना जैसे संवेदनशील जिलों में बतौर एसपी सेवा दे चुके हैं। 29 अप्रैल 2023 को उन्हें भिंड से स्थानांतरित कर मुरैना का एसपी बनाया गया था। इसके बाद 10 अगस्त 2024 को उन्हें ग्वालियर में एसएएफ 13वीं बटालियन का कमांडेंट नियुक्त किया गया। चौहान के रीवा आने से कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

कमिश्नर और अन्य अधिकारी साइकिल से पहुंचे कार्यालय

रीवा। पर्यावरण की सुरक्षा तथा स्वयं की स्वास्थ्य रक्षा रक्षा के उद्देश्य से सप्ताह में मंगलवार के दिन कमिश्नर बीएस जामोद की पहल पर अधिकारी और कर्मचारी साइकिल से कार्यालय पहुंच रहे हैं। यह क्रम लगातार बना हुआ है। सुमंगल साइकिल दिवस पर कमिश्नर और अन्य अधिकारी साइकिल से कमिश्नर कार्यालय पहुंचे। कमिश्नर के साथ संयुक्त आयुक्त सुदेश मालवीय, क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य डॉ एमएल गुप्ता, उप संचालक खनिज बसंतराम, अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा डॉ आरपी सिंह, अधीक्षण यंत्री पीएचई महेन्द्र सिंह, संयुक्त संचालक पेंशन तथा कमिश्नर कार्यालय के कर्मचारी भी साइकिल से कार्यालय पहुंचे। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब गुर्जर ई रिक्शा से कार्यालय पहुंचे। इसी तरह अन्य अधिकारियों ने भी कार्यालय पहुंचने के लिए साइकिल और ई रिक्शे का उपयोग किया।

5.21 करोड़ में तय हुआ अटल पार्क का ठेका

रीवा के कंपनी को मिली जिम्मेदारी

रीवा । शहर के सिरमौर चौराहा स्थित अटल पार्क में प्रवेश के लिए अब शुल्क देना होगा।इसकी व्यवस्था नगर निगम ने कर दी है। इस बावत सोमवार को निविदा कार्यवाही पूरी हो गई। आराध्या श्रीराम प्राइवेट लिमिटेड प्रोपराइटर यशवर्धन सिंह को प्रवेश शुल्क वसूली का ठेका दिया गया है। नगर निगम ने उक्त एजेंसी को 5.21 करोड़ की बोली लगाने पर ठेका दिया। राशि जमा होने के बाद अगले 5 साल तक उक्त ठेका एजेंसी अटल पार्क में शुल्क वसूली का काम करेगी।इसमें पार्क के साथ ही फूड प्लाजा कॉम्पलेक्स और पार्किंग एरिया भी शामिल है। नगर निगम प्रशासन की निविदा शर्तों के तहत सुबह 5 से 8 बजे तक आम और खास लोगों के सैर-सपाटे को शुल्क मुक्त रखा गया है। इस नीलामी में 8 फर्मों ने भाग लिया था। गौरतलब है कि अभी तक शहर के आम और खास इस पार्क में मॉर्निंग और इवनिंग वॉक करने जाया करते थे, लेकिन अब इवनिंग वॉक नहीं कर पाएंगे। बताया गया कि निगम ने जब टेंडर मंगाए थे, तब बेस वैल्यू 1.16 करोड़ रुपये थी। फिर बीते 4 सितंबर को निगम ने टेंडर 1.83 करोड़ के बेस वैल्यू पर खोला, जिसकी वैल्यू बढ़कर 2.89 करोड़ तक पहुंची। इसके बाद निगम प्रशासन ने ओपेन टेंडर चालू कर दिया। लिहाजा

टेंडर लेने ठेका एजेंसी ऊंची बोली लगने लगी। आखिरकार सोमवार को 5.21 करोड़ रुपए में आराध्य एजेंसी के नाम टेंडर फाइनल हो गया।

इन्होंने लगाई बोली

एजेंसी बोली रकम आराध्या श्रीराम प्रा.लि. (विजेता) 5.21 करोड़
स्काई लार्क 5.18 करोड़
एसबी मल्टी सर्विसेस 4.52 करोड़
ईएएसएस सिक्योरिटी 3.57 करोड़
कृष्णकांत सोहगौरा 2.37 करोड़
गैलेक्सी कंस्ट्रक्शन 2.23 करोड़
समदरिया 2.07 करोड़
निर्मला एसोसिएशन 1.85 करोड़।

ऋषिराज कुलम विद्यालय में एचआईवी एड्स जनजागरूकता कार्यक्रम हुआ आयोजित

मऊगंज। मेडिकल कॉलेज रीवा द्वारा म.प्र. राज्य एड्स नियंत्रण समिति भोपाल के निर्देशानुसार चलाए जा रहे 12 अगस्त से 12 अक्टूबर तक चलने वाले सघन जनजागरूकता अभियान के अंतर्गत ऋषिराज कुलम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मऊगंज में एचआईवी/एड्स जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं को एसएसके मैनेजर पुष्पराज विश्वकर्मा ने एचआईवी/एड्स एवं यौन संचारित रोगों के फैलने के कारणों और उनके बचाव के उपायों की जानकारी दी। साथ ही टीबी और वर्ष 2017 एक्ट के संबंध में विस्तार से बताया। विद्यार्थियों को अधिक जानकारी हेतु टोल फ्री नंबर 1097 के बारे में भी बताया गया। इस अवसर पर विद्यालय के डायरेक्टर विकास सिंह, प्राचार्य, एसएसके मैनेजर पुष्पराज विश्वकर्मा, एसएसके ओआरडब्ल्यू लवकुश वर्मा, एसएसके ओआरडब्ल्यू जैनेंद्र श्रीवास्तव, समाजसेवी रामरतन मिश्रा, सभी शिक्षक-शिक्षिकाएँ एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाया।

मऊगंज में नगर परिषद द्वारा गौवंश को सुरक्षित जगह पहुंचाने का कार्य जारी

मऊगंज। कलेक्टर संजय कुमार जैन द्वारा आवारा गौवंश को गौशाला मे पहुंचाने का आदेश नगर परिषद और जनपद पंचायत को जारी किया था जिसके अनुसार समस्त कर्मचारीगण नगर परिषद के कर्मचारी और ग्राम पंचायत के सचिवों को भी आदेश दिए थे कि अगर सड़क में एक भी आवारा गौवंश देखे गए तो सम्बन्धित कर्मचारी पर कड़ी कार्यवाई की जाएगी आज नगर परिषद के सब इंजीनियर अविनाश पटेल सफाई दरोगा प्रभारी आशीष पटेल नल जल योजना के देखने वाले बृजेंद्र गौतम वहीं सफाई दरोगा मनोज गुप्ता लकी मैत्रे के साथ सफाई कर्मी गौवंश को सुबह से ही सुरक्षित स्थान गौशाला पहुंचाने का जोरदार प्रयास करते हुए देखे गए मऊगंज नगर परिषद अध्यक्ष बृजवासी पटेल उनके साथ

सीएमओ द्वारा प्रयास किया गया हर गांव के लोग एवं किसान जिला कलेक्टर महोदय को बधाई देते हुए उत्साह भरी बोले की यह दिन आज देखने को मिला की पशुओं का जीवन के साथ किसानों का जीवन मेहनत पर सोचने वाले जिला कलेक्टर ने पहल किया है।